भारत - पोलैंड संबंध

भारत और पोलैंड ने 1954 में राजनयिक संबंध स्थापित किए जिससे 1957 में वार्सा में भारतीय दूतावास के उद्घाटन का मार्ग प्रशस्त हुआ। दोनों देशों की वैचारिक धारणाओं में समानता है जो उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद एवं नस्लवाद के उनके विरोध पर आधारित है। साम्यवादी शासन के दौरान उच्च स्तर पर नियमित यात्राओं के साथ द्विपक्षीय संबंध घनिष्ठ एवं मधुर थे (भारत की ओर से 5 वी वी आई पी यात्राएं - जिसकी शुरुआत 1955 में पंडित जवाहर लाल नेहरू की यात्रा से हुई - और पोलैंड से चार यात्राएं) तथा राज्य व्यापार संगठनों द्वारा नियोजित रूप में व्यापार एवं आर्थिक वार्ताओं का आयोजन किया गया जिसका आधार रूपए में क्लियरेंस की व्यवस्था थी। इस अवधि में रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा संस्कृति में महत्वपूर्ण आदान प्रदान जारी रहे।

पिछले कुछ दशकों में राष्ट्राध्यक्ष एवं शासनाध्यक्ष के स्तर पर भारत और पोलैंड के बीच मजबूत आदान प्रदान हुए हैं। भारत की ओर से पोलैंड की पिछली प्रमुख यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं : राष्ट्रपति वी वी गिरी ने 1970 में पोलैंड की यात्रा की; राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह 1986 में पोलैंड की यात्रा की; राष्ट्रपति एस डी शर्मा ने 1996 में पोलैंड की यात्रा की तथा प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1955 में पोलैंड की यात्रा की; प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1967 में पोलैंड की यात्रा की और प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 1979 में पोलैंड की यात्रा की। पोलैंड की ओर से भारत यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं : राष्ट्रपति एलेक्जेंडर क्वास्नेवस्की ने 1998 में भारत की यात्रा की; राष्ट्रपति लीच वालेसा ने 1994 और 1998 में भारत की यात्रा की, प्रधानमंत्री साइरांकीवेज ने 1957 में भारत की यात्रा की, प्रधानमंत्री जारोसजेविक ने 1973 में भारत की यात्रा की, और पोलिस यूनाइटेड वर्कर्स पार्टी के प्रथम सचिव गिरेक ने 1977 में भारत की यात्रा की और जनरल जारूसजेल्स्की ने 1985 में भारत की यात्रा की। 1990 में पोलैंड में लोकतंत्र के आने के बाद जनवरी 1998 में पोलैंड के राष्ट्रपति अलक्जेंडर कवासनिवस्की की यात्रा और फरवरी 2003 में पोलैंड के प्रधानमंत्री लेसजेक मिलर की यात्रा के साथ उच्च स्तर पर संपर्क जारी रहा। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील ने अप्रैल 2009 में पोलैंड का दौरा किया तथा पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड तस्क ने सितंबर 2010 में भारत का राजकीय दौरा किया।

अनेक द्विपक्षीय करार क्रियाशील हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं : सांस्कृतिक सहयोग पर करार (1957); दोहरा कराधान परिहार करार (1981); विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग पर करार (1993); विदेश कार्यालय परामर्श पर प्रोटोकाल (1996); निवेश के संवर्धन एवं संरक्षण पर करार (1996); संगठित अपराध तथा अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद से लड़ने पर सहयोग पर करार (2003); रक्षा सहयोग पर एम ओ यू (2003); प्रत्यर्पण संधि (2003); आर्थिक सहयोग पर करार (2006); स्वास्थ्य देखरेख एवं चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग पर करार (2009); और पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग पर करार

(2009)। प्रधानमंत्री तस्क की भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित सांस्कृतिक विनिमय करार (2010-14) की अवधि समाप्त हो गई है तथा 2016-17 के लिए इसे नवीकृत करने का प्रयास किया जा रहा है।

वाणिज्यिक संबंध :

पिछले 10 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में लगभग 7 गुना वृद्धि के साथ पोलैंड पूर्वी यूरोप क्षेत्र में भारत के लिए सबसे बड़ा व्यापार साझेदार एवं निर्यात गंतव्य है। 2014 में, द्विपक्षीय व्यापार 2.4 बिलियन अमरीकी डालर (भारतीय निर्यात - 1.8 बिलियन अमरीकी डालर और भारतीय आयात - 0.6 बिलियन अमरीकी डालर) था। अनुमान है कि 2015 में द्विपक्षीय व्यापार 2.2 बिलियन अमरीकी डालर के स्तर पर बना रहेगा। भारत द्वारा निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में तंबाकू, प्रसंस्कृत खनिज, रसायन, रबर, प्लास्टिक, मशीनरी, औषधियां, परिवहन उपकरण तथा रेडीमेड कॉटन गारमेंट शामिल हैं। पोलैंड से आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में लोहा एवं इस्पात, मेटलीफर अयस्क तथा मेटल स्क्रैप, परिवहन उपकरण तथा मशीनरी (इलेक्ट्रिकल एवं कोयला को छोड़कर) शामिल हैं।

पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े निम्नलिखत हैं :

(मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	**2009**	**2010**	**2011**	**2012**	**2013**	**2014**	**2015 (अनुमानित)**
भारत का निर्यात	740	1035	1350	1240	1470	1806	1771
भारत का आयात	310	357	523	665	491	624	462
व्यापार टर्नओवर	1050	1392	1873	1905	1961	2430	2233

स्रोत : पोलैंड सांख्यिकी कार्यालय, जी यू एस

पोलैंड में भारतीय निवेश 3 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक है तथा निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों में अर्सेलर मित्तल, वीडियोकान, एस्कार्ट, स्ट्राइड्स अर्कोलैब, रिलायंस इंडस्ट्रीज, रैनबैक्सी, एसेल प्रोपैक, के पी आई टी कमिंस, जेंसर टेक्नोलाजीज लिमिटेड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एच सी एल टेक्नोलाजीज लिमिटेड, एच सी एल टेक्नोलाजीज, इनफोसिस एवं विप्रो, जिंदल स्टेनलेस, बर्जर पेंट्स इंडिया, युफलेक्स एवं ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल शामिल हैं। भारत में प्रचालन करने वाली पोलैंड की कंपनियों में डिंडीगुल में तोरुंसकी जकलेडी मटेरियलो ओपाट्रुंकोवोइच (टी जेड एम ओ) (साफ सफाई एवं सैनिट्री उत्पादों का निर्माण करने वाली कंपनी), औरंगाबाद में कैन पैक पोलैंड (जो मेटल पैकेजिंग का विनिर्माण करती है), ज्योफीजायका तोरुन एवं फैमुर ग्रुप शामिल हैं। भारत में पोलैंड का कुल निवेश 600 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास है।

पोजनान में इंडिया शो (जून 2014) : भारत ने जून 2014 में पोजनान, पोलैंड में इंडिया शो में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया जिसमें मुख्य रूप से लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र से 100 से अधिक भारतीय इंजीनियरिंग कंपनियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन आई टी एम पोजनान के अवसर पर किया गया जो पोलैंड का सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी एवं मशीन टूल्स फेयर है तथा इसका समन्वय ईईपीसी तथा वाणिज्य मंत्रालय एवं भारी उद्योग विभाग द्वारा किया गया। पोलैंड सरकार द्वारा भारत को साझेदार देश का दर्जा प्रदान किया गया था।

इंजीनियरिंग क्षेत्र में सहयोग : अतीत में पोलैंड की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने भारत में खनन एवं विद्युत क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने खनन मशीनरी, उपकरण की आपूर्ति, तकनीकी ज्ञान एवं प्रशिक्षण के अलावा भारत के कुछ कोयला खदानों के पुनर्गठन में सहयोग किया है।
वाइब्रेंट गुजरात शिखर बैठक : पोलैंड के उप प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जानुस्ज पीचोकिंस्की के नेतृत्व में एक विशाल कारोबारी शिष्टमंडल ने गांधी नगर में वाइब्रेंट गुजरात शिखर बैठक में भाग लेने के लिए जनवरी, 2015 में भारत का दौरा किया तथा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं गुजरात की मुख्यमंत्री से मुलाकात की। प्रधानमंत्री के साथ बैठक में कोयला एवं खनन, खाद्य प्रसंस्करण, आटोमोबाइल, रक्षा तथा आई टी सहित सहयोग के अनेक क्षेत्रों पर चर्चा हुई। उप प्रधानमंत्री के साथ विदेश मंत्रालय में राज्य की अवर सचिव सुश्री कटारजीना कास्पेरकजी भी भारत के दौरे पर आई थी।

मेक इन इंडिया तथा गो इंडिया : 25 मार्च 2015 को वार्सा में मेक इन इंडिया अभियान का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया। मेक इन इंडिया संध्या में एकत्र हुई विशिष्ट सभा के समक्ष बोलते हुए मुख्य अतिथि अर्थात पोलैंड के उप वित्त मंत्री श्री जेर्जी पीटरविक्ज ने पोलैंड में भारत के आउटरीच कार्यक्रमों की प्रशंसा की तथा पोलैंड सरकार के पूर्ण सहयोग को रेखांकित किया। श्री पीटरविक्ज ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति में बदलने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से वह निजी तौर पर उत्साहित हैं। भारत की पहल के जवाब में पोलैंड के उप प्रधानमंत्री पीकोसिंस्की ने अप्रैल 2015 में गो इंडिया कार्यक्रम की घोषणा की जो भारत के साथ भागीदारी करने के लिए पोलैंड की कंपनियों को सुगमता एवं प्रोत्साहन प्रदान करेगा।

वार्सा में संयुक्त आयोग (जून 2015) : आर्थिक सहयोग पर भारत - पोलैंड संयुक्त आयोग की चौथी बैठक 15 जून 2015 को वार्सा में हुई। इस आयोग की सह अध्यक्षता श्री अमिताभ कांत, सचिव और श्री जेर्जी पीटरविक्ज, राज्य मंत्री, वित्त मंत्रालय, पोलैंड द्वारा की गई। प्रोटोकाल की मुख्य विशेषता 2018 तक 5 बिलियन अमरीकी डालर (2014 स्तर : 2.3 बिलियन अमरीकी डालर) के महत्वाकांक्षी लक्ष्य का निर्धारण था। आयोग ने निवेश बढ़ाने के लिए एक कार्य योजना तैयार की तथा द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को बढ़ाने के लिए अनेक कदमों की पहचान की। 12 और 13 जून 2015 को कोयला,

आई टी तथा खाद्य प्रसंस्करण पर तीन नवगठित द्विपक्षीय संयुक्त कार्य समूहों की भी बैठक हुई तथा उन्होंने अपने अपने क्षेत्रों के सहयोग के विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान की।

क्राकोव में पहला भारत - पोलैंड आई टी फोरम (जुलाई 2015) : फ्लैगशिप डिजिटल इंडिया कार्यक्रम जिसका उद्घाटन 1 जुलाई 2015 को भारत में किया गया, को 8 और 9 जुलाई 2015 को क्राकोव में पहले भारत - पोलैंड आई टी फोरम में प्रदर्शित किया गया। आई टी फोरम का आयोजन क्राकोव में ए जी एच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के परिसर में किया गया तथा इसे मालोपोल्स्का क्षेत्र, पोलैंड इंडिया बिजनेस काउंसिल ए जी एच विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इसे पोलैंड के प्रशासन एवं डिजिटीकरण मंत्रालय तथा भारतीय दूतावास, वार्सा द्वारा सहायता प्रदान की गई। इस फोरम का उद्देश्य भारत और पोलैंड के बीच आई टी सेक्टर में बढ़ती भागीदारी को उजागर करना तथा भावी सहयोग के लिए सिनर्जी का पता लगाना था। 8 जुलाई को इनफोसिस के सह संस्थापक डा. एन आर नारायण मूर्ति को ए जी एच विश्वविद्यालय द्वारा डा. होनोरिस कौसा के सम्मान से सम्मानित किया गया।

पोलैंड में भारत का आई टी एवं आई सी टी सेक्टर : भारतीय कंपनियों ने एक दशक के लिए पोलैंड में अवसरों को भांपा है तथा यूरोप को ध्यान में रखकर नियर शोर आपरेशन के लिए इसे मन पसंद गंतव्य बनाया है। इस समय पोलैंड में 11 भारतीय कंपनियां सक्रिय हैं जिन्होंने 5000 व्यक्तियों को रोजगार दिया है।

प्रगतिशील पंजाब के लिए साझेदार देश के रूप में पोलैंड (जुलाई और अक्टूबर 2015) : 9 सदस्यीय आधिकारिक एवं कारोबारी शिष्टमंडल के साथ पंजाब के उप मुख्य मंत्री श्री सुखबीर सिंह बादल ने 27 से 29 जुलाई के दौरान पोलैंड का दौरा किया तथा पोलैंड के मंत्रियों, क्षेत्रीय नेताओं तथा वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ वार्सा एवं लुबलिन में अनेक एवं सारवान बातचीत की। अपनी यात्रा के दौरान संयुक्त मीडिया वार्ता में पोलैंड के उप प्रधानमंत्री तथा वित्त मंत्री श्री जानुस्ज पीकोसिंस्की द्वारा की गई घोषणा के अनुसार पोलैंड मोहाली, पंजाब में अक्टूबर 2015 में आयोजित 'प्रगतिशील पंजाब निवेशक शिखर बैठक' के लिए साझेदार देश बना। इसके बाद राज्य मंत्री जेर्जी पीटरविक्ज के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने पंजाब शिखर बैठक में साझेदार देश के रूप में भाग लिया जहां पंजाब राज्य तथा लुबेलस्की क्षेत्र के बीच एक द्विपक्षीय करार पर हस्ताक्षर किए गए।

बंगलुरू में भारत - मध्य यूरोप व्यवसाय मंच : वरिष्ठ अधिकारियों एवं कारोबारियों से युक्त एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल के साथ पोलैंड के उप विदेश मंत्री श्री लेस्जेक सोक्जेविका ने 5 और 6 अक्टूबर 2015 को बंगलुरू में भारत - मध्य यूरोप व्यवसाय मंच में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

राज्य स्तरीय संबंध : पंजाब तथा लुबुल्स्की क्षेत्र के बीच द्विपक्षीय संबंधों के अलावा तत्कालीन आंध्र प्रदेश और मालोपोल्सका के बीच और महाराष्ट्र एवं विलकोपोल्स्का के बीच औपचारिक राज्य दर राज्य संबंध मौजूद हैं। हम उत्तराखंड तथा ओपोले के बीच संबंधों को बढ़ावा देने की योजना बना रहे हैं। पोलैंड के कारोबारी शिष्टमंडलों ने अनेक राज्यों, विशेष रूप से गुजरात और कर्नाटक का दौरा किया है तथा कारोबारी संबंधों को प्रोत्साहित किया है।

मुंबई में मेक इन इंडिया सप्ताह : पोलैंड के प्रथम उप प्रधानमंत्री प्रो. पियोत्र ग्लिंसकी के नेतृत्व में 50 से अधिक अधिकारियों एवं कारोबारियों के एक शिष्टमंडल ने फरवरी 2016 में मेक इन इंडिया सप्ताह में भाग लिया। प्रो. ग्लिंसकी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग के एक रोड मैप पर चर्चा की। उन्होंने भारत के वित्त मंत्री, वाणिज्य मंत्री, कोयला मंत्री और इस्पात मंत्री के साथ भी बैठकें कीं। भारतीय राज्यों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को प्रोत्साहित करने के लिए डी पी एम ग्लिंसकी ने महाराष्ट्र और हरियाणा के मुख्य मंत्रियों से भी मुलाकात की। पोलैंड के शिष्टमंडल ने भारतीय उद्योग के प्रमुखों के साथ बातचीत की तथा भारत के खाद्य एवं प्रसंस्करण मंत्री के साथ भी बैठकें कीं। पोलैंड के उप प्रधानमंत्री ने भारत - पोलैंड सहयोग के भावी क्षेत्रों पर एक सेमिनार को संबोधित किया तथा विद्युत एवं कोयला पर एक सेक्टोरल सेमिनार में भी भाषण दिया।

कोलकाता में एशियाई खनन कांग्रेस : विकास उप मंत्री श्री डोमाग्लास्की ने 22 से 25 फरवरी 2016 के दौरान 6वीं एशियाई खनन कांग्रेस में भाग लेने के लिए पोलैंड की कंपनियों के एक समूह के साथ कोलकाता का दौरा किया। उन्होंने सेमिनारों में भाग लिया तथा कोयला एवं खनन क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के साथ अनेक दौर की बातचीत की।

सांस्कृतिक संबंध :

इंडोलॉजी : पोलैंड में इंडोलॉजी अध्ययन की एक मजबूत परंपरा है तथा पोलैंड के विद्वानों ने 19वीं शताब्दी में ही संस्कृत के ग्रंथों का अनुवाद पोलिश में किया है। क्राकोव के 600 साल पुराने जागेलोनियन विश्वविद्यालय (जो पोलैंड का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है) में 1860-61 में संस्कृत का अध्ययन होता था तथा 1893 में एक संस्कृत पीठ स्थापित की गई थी। वार्सा विश्वविद्यालय में इंडोलाजी डिपार्टमेंट ऑफ ओरियंटल इंस्टिट्यूट (1932 में स्थापित) भारतीय अध्ययन का सबसे बड़ा केंद्र है। आई सी सी आर दो भारतीय प्रोफेसरों को वित्त पोषित करता है जो वार्सा विश्वविद्यालय में हिंदी और तमिल पढ़ा रहे हैं। आई सी सी आर ने सितंबर 2005 में वारसा विश्वविद्यालय में इंडोलॉजी के पहले मध्य एवं पूर्वी यूरोपीय क्षेत्रीय सम्मेलन को प्रायोजित किया था जिसमें 11 देशों के 19 विद्वानों ने भाग लिया था। जागेलोनियन विश्वविद्यालय और वार्सा विश्वविद्यालय में क्रमश: तमिल

पीठ और हिंदी पीठ स्थापित हैं। जागेलोनियन विश्वविद्यालय में तमिल पीठ को शैक्षिक वर्ष 2016-17 से वार्सा विश्वविद्यालय द्वारा भी साझा किया जाएगा।

छात्रों का आदान प्रदान : भारत में पढ़ाई करने के लिए आई सी सी आर स्कीमों के तहत हर साल पोलैंड के छात्रों को छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा हिंदी की पढ़ाई करने के लिए पोलैंड के छात्रों को चार छात्रवृत्तियां प्रदान करता है। पोलैंड के उम्मीदवारों ने आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण स्लाटों का भी उपयोग किया है। पोलैंड में भारतीय छात्र चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कस्बा आयोजना, पोत निर्माण तथा कोयला खनन जैसे क्षेत्रों में निजी आधार पर पढ़ाई कर रहे हैं। ऐसे छात्रों की संख्या बढ़कर 600 के आसपास पहुंच गई है।

सांस्कृतिक आदान - प्रदान : आई सी सी आर के 'विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम' के तहत पोलैंड के पत्रकारों, शिक्षाविदों तथा अन्य राय निर्माताओं ने भारत का दौरा किया है। पिछले कुछ वर्षों में अनेक सांस्कृतिक मंडलियों ने पोलैंड का दौरा किया है तथा पोलैंड के अनेक शहरों में अपनी कला का प्रदर्शन किया। पोलैंड की ओर से भारत में अनेक म्यूजिकल, आर्ट और फिल्म शो का आयोजन किया गया है। नई दिल्ली में पोलैंड मिशन के जोरबाग स्थित परिसर के अंदर एक सक्रिय पोलैंड सांस्कृतिक संस्थान काम कर रहा है।

पोलैंड में अतुल्य भारत रोड शो (जुलाई 2015) : दूतावास की सहायता से पर्यटन मंत्रालय ने उत्थानशील भारत की समृद्धि और विविधता का लुत्फ उठाने के लिए पोलैंड के पर्यटकों को आमंत्रित करने के लिए क्राकोव और वार्सा में क्रमश: 9 और 10 जुलाई को रोड शो का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में भारत से लगभग 18 टूर एण्ड ट्रैवल आपरेटरों ने भाग लिया।

योग : 21 जून 2015 को पोलैंड के 21 शहरों में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। अनुमानित तौर पर सार्वजनिक कार्यक्रमों में 8000 लोगों ने भाग लिया। मुख्य कार्यक्रम राजधानी शहर वार्सा में आयोजित किया गया। वार्सा में आयोजित कार्यक्रम में पोलैंड के तीन सेलिब्रिटीज, 'योग दूत' ने भाग लिया। उनकी भागीदारी से इस कार्यक्रम को स्थानीय मीडिया में खूब प्रचार प्रसार मिला। पी आई ओ ने कार्यक्रम के लिए उत्साहजनक समर्थन प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया ने बहुत अधिक कवरेज के अलावा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर टी वी और प्रिंट मीडिया में दर्जनों कहानियां दिखीं। न्यूज वीक इन पोलैंड ने अपनी वेबसाइट पर तीन मिनट की एक लोकप्रिय वीडियो रिपोर्ट डाली। इस समय पोलैंड में लगभग 1000 योग शिक्षक हैं।

फिल्में : पोलैंड भारतीय फिल्मों की शूटिंग के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनता जा रहा है। हम आशा करते हैं कि इससे दोनों देशों के बीच पर्यटन एवं सांस्कृतिक आदान प्रदान को प्रोत्साहन मिलेगा।

बंगिस्तान, अजान, फना, यह जो है मोहब्बत, किक, शानदार कुछ ऐसी बालीवुड फिल्में हैं जिनकी शूटिंग पोलैंड में हुई है।

गांधी जी की आवक्ष प्रतिमा : वार्सा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में महात्मा गांधी की एक आवक्ष प्रतिमा लगाई गई है। लोक सभा अध्यक्ष श्री मनोहर जोशी द्वारा 23 जून 2002 को इसका अनावरण किया गया था।

गुड महाराजा स्क्वेयर : नवाब नगर के जैम साहेब दिग्विजय सिंह जी रणजीत सिंह जी जडेजा के एक संस्मारक स्मारक का उद्घाटन 31 अक्टूबर 2014 को गुड महाराजा, ओचोटा जिला, वार्सा, पोलैंड के स्क्वेयर में किया गया।

भारतीय नेताओं की याद दिलाने वाली सड़कें : वार्सा में तीन सड़कों के नाम भारतीय नेताओं अर्थात महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और रवीन्द्रनाथ टैगोर के नाम पर हैं। क्राकोव तथा लोडज में भी ऐसी सड़कें हैं जिनके नाम महात्मा गांधी के नाम पर हैं।

राजनयिक संपर्क के 60 वर्ष : चूंकि वर्ष 2014 भारत एवं पोलैंड के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ है, इसलिए द्विपक्षीय संबंध में इसका एक विशेष महत्व था। इस ऐतिहासिक घटना की याद में सेमिनार, फिल्म सप्ताह, परफार्मिंग आर्ट, व्यवसाय मंच, व्यंजन महोत्सव, प्रदर्शनी आदि सहित प्रचार के अनेक कार्यक्रम दोनों देशों में आयोजित किए गए।

नया दूतावास परिसर : दूतावास अगस्त 2015 में अपने नए चांसरी परिसर में शिफ्ट हो गया है, जिसका क्षेत्रफल 9657 वर्गमीटर है। वार्सा के केन्द्र बिन्दु में चांसरी स्थित है। दो ओर से इसके सामने समर पैलेस है जो विश्व प्रसिद्ध लैजिएंकी पार्क है।

वीजा : वार्सा स्थित भारतीय दूतावास पोलैंड और लिथुवानिया के नागरिकों के लिए हर साल 20,000 से अधिक वीजा जारी करता है। पोलैंड को 15 अगस्त 2015 से भारत सरकार की इलेक्ट्रानिक टूरिस्ट वीजा स्कीम में शामिल किया गया है। इस स्कीम के तहत 2015 के अंत तक पोलैंड के लगभग 2700 नागरिकों ने भारत में प्रवेश किया है।

भारतीय समुदाय :

पोलैंड में भारतीय समुदाय की संख्या 3000 के आसपास है जिसमें ट्रेडर (टेक्सटाइल, गार्मेंट, इलेक्ट्रानिक्स) जो साम्यवाद के पतन के बाद यहां आए हैं तथा बहुराष्ट्रीय या भारतीय कंपनियों में काम करने वाले प्रोफेशनल तथा साफ्टवेयर / आई टी विशेषज्ञ शामिल हैं। पोलैंड में तकरीबन 60 भारतीय रेस्तरां हैं, अकेले वार्सा में 30 से अधिक भारतीय रेस्तरां हैं। पोलैंड में भारतीय छात्रों की संख्या

बढ़कर 600 से अधिक हो गई है। अनेक सामुदायिक संगठन अस्तित्व में आए हैं तथा दूतावास द्वारा उनकी सहायता की जाती है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, वार्सा की वेबसाइट :
http://www.indembwarsaw.pl/
भारतीय दूतावास, वार्सा का फेसबुक पृष्ठ :
https://www.facebook.com/embassyofindiawarsaw
भारतीय दूतावास, वार्सा का ट्विटर पृष्ठ :
twitter.com/@IndiaPoland

फरवरी 2016